>

Title: Need to take action on central team report which visited the drought affected districts of Bundelkhand region.

श्री राजनारायन बुधौलिया (हमीरपुर, उ0प्र0) : महोदय, हम तीन वर्ष से बुंदेलखंड की समस्याओं से संबंधित मांग करते चले आ रहे हैं। इस संबंध में तीन बार प्रधानमंत्री जी से बुंदेलखंड के विशेष पैकेज के लिए मांग कर चुके हैं। पिछले चार-पांच साल से...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप रिपोर्ट मांग रहे हैं, यह बोलिए।

श्री राजनारायन बुधौलिया : इस संबंध में अंतर्मंत्रालय केंद्रीय अध्ययन दल ने बुंदेलखंड का दौरा किया था। सरकार के पास अध्ययन दल की रिपोर्ट थी, जो आ चुकी है। हम सरकार से मांग करते हैं कि बुंदेलखंड के लिए तुंत विशेष आर्थिक पैकेज की मांग को पूरा किया जाए।

अध्यक्ष महोदय : चन्द्रपाल सिंह यादव एसोसिएट कर रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव (झांसी) : महोदय, यह बहुत बड़ी समस्या है। ...(व्यवधान)

श्री शंखलाल माझी (अकबरपुर) : महोदय, मैं कहना चाहता हूं...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका नाम भी दे दिया है। आपका नाम रिकॉर्ड हो गया है।

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : हम दो साल से पीने के पानी के लिए लगातार लिखकर दे रहे हैं।...(व्यवधान)

---

* Expunged as ordered by the Chair

अध्यक्ष महोदय : हमने रोज बुंदेलखंड के मुद्दे का अलाऊ किया है और आज भी अलाऊ किया।

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Just a minute. Do not threaten the Chair.

...(*Interruptions*)

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : लोग पीने का पानी न होने के कारण परेशान हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :हम सब जानते हैं, इसलिए समय दिया है।

श्री रेवती रमन सिंह।

â€¦(व्यवधान)

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : हम लोग यहां किस लिए चुनकर आए हैं जब हम पीने का पानी नहीं दिला सकते। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: हमने सबको मौका दिया है। आपका नाम एसोसिएट कर दिया है।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER : I have been allowing this issue on everyday on this session. Nothing more.

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : हम लोग यहां किसलिए चुनकर आये हैं। हमें अपनी बात रखने का मौका दिया जाए...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमने सबको मौका दिया है, आपको एसोसिएट कर दिया है।

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : अध्यक्ष जी, वहां पीने का पानी नहीं है।...(व्यवधान) कम से कम हमें अपनी बात रखने का मौका दिया जाए।

MR. SPEAKER: Not one word will be recorded.

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: If you raise your voice that does not mean your case is good. I have allowed this everyday because of the

importance of the matter. Today also I have allowed it and one hon. Member has spoken.

*(Interruptions)*â€¦*

* Not recorded

MR. SPEAKER: I will have to ask you to go out, if you disturb the House like this. आपका मुद्दा इम्पॉर्टेन्ट है, यह हमने कहा है, इसलिए हमने अलाऊ भी किया है। इसके बाद हम यहां से क्या करेंगे।

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: The very fact that I request Members to respond to their notices shows that I consider those matters important matters.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदय : आपको मौका दिया है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने अपनी बात कह दी है, अब एक ही बात को क्या बार-बार बोलेंगे।

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: It is not being recorded. I have not allowed you to speak. Without my permission you are speaking in a threatening gesture. I do not like it. You are not serving your people by shouting.

(Interruptions) â€¦*

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) :सर, इन्हें थोड़ी देर के लिए अलाऊ कर दीजिए।

MR. SPEAKER: Look at his behaviour! You are advising me what to do, look at his behaviour. क्या चिल्लाने से कुछ होता है?

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: I am not going to enter into a controversy.

(Interruptions) â€¦*

श्री शंखलाल माझी (अकबरपुर) : महोदय, हम लोग डिक्टेट नहीं कर रहे हैं, आप हमारे संरक्षक हैं।

अध्यक्ष महोदय : आपको हमने अपार्चुनिटी दी है, राजनारायण जी सेम मैटर पर बोल चुके हैं।

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: Not only today, I would not ever allow you to speak, if you go on like this.

* Not recorded

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क (मुरादाबाद) : सर, इस सिलसिले में आप कुछ डायरेक्शंस दे दें...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्या बात है, पहली दफा आये हैं तो इस तरह से बोल रहे हैं। आपको थोड़ा सीखना चाहिए। यह कोई अखाड़ा नहीं है। आप लोग बैठ जाइये।

श्री इलियास आज़मी (शाहाबाद) : सर, 80 हजार करोड़ रुपये का पैकेज दिलवा दीजिए...(व्यवधान) *

MR. SPEAKER : The matter is being raised everyday and the Government had also responded. Even then I say that the feelings

are very strong. I am sure the Government will look into it. और क्या बोलें।

(Interruptions) â€¦*

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : सर, सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है।

अध्यक्ष महोदय : मि. शैलेन्द्र कुमार, हर प्रश्न का जवाब देने का कोई कानून भी नहीं है। Everybody is trying to be too smart. I resent this. Mr. Chandra Pal Singh, this is not the way to behave in the House. You should know how to behave. Now I have started taking action. You will be one of them.

*(Interruptions)*â€¦*

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। Do you know there is a Rule Book? क्या आपने कभी रूल बुक पढ़ी है?

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य गलती से जुबान से बोल गये हैं, उन्होंने चेयर को कुछ शब्द कह दिये हैं, इन्हें प्रोसीडिंग्स से निकाला जाए।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है[b4]।

अध्यक्ष महोदय : कुछ जानते नहीं, पढ़ते नहीं, सुनते नहीं कुछ।